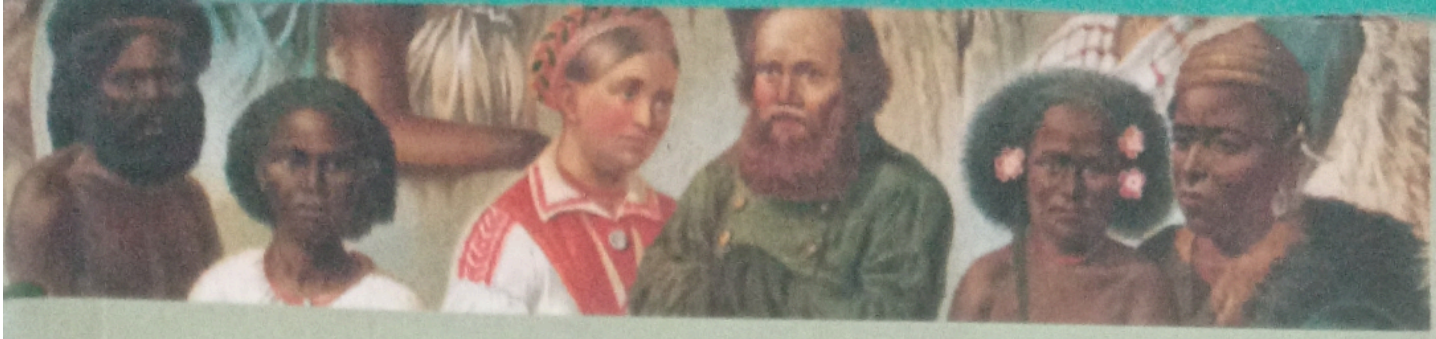

समाजशास्त्र विश्वकोष

Encyclopedia of Sociology

डॉ. ज़ी. एल. शर्मा
डॉ. वाई. के. शर्मा

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में समाजशास्त्र एक महत्वपूर्ण विषय है। अनेक वैज्ञानिक इसे अमरीकी विज्ञान की संज्ञा देते हैं। भारत में इसका प्रादुर्भाव 19वीं शताब्दी में सन् 1919 के आसपास हुआ है। तब से लेकर अब तक यह दिन प्रतिदिन समाज के विभिन्न क्षेत्रों का एक महत्वूपर्ण अंग बनता जा रहा है। इसके अध्ययन के बिना सामाजिक समस्यायों, व्यवहारों, मानवशास्त्रों इत्यादि की प्रचलित अवधारणाओं का उनके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विवेचन असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है।

प्रस्तुत कोष को छः भागों में बाँटा गया है तथा इसके प्रत्येक भाग में इसके महत्वपूर्ण अंगों को सविस्तार समझाया गया है। इसके प्रथम भाग में इसके सिद्धान्तों का विवेचन है जबकि द्वितीय भाग में भारतीय समाज की स्थिति का वर्णन है। इस कोष के भाग तृतीय में भारत में मौजूद विभिन्न सामाजिक समस्याओं को समझाया गया है।

भाग चार जहाँ विभिन्न सामाजिक विचारकों के दर्शन व सिद्धान्तों का सविस्तार वर्णन करता है। वहीं भाग पाँच सामाजिक अनुसंधानों, अन्वेषणों व शोधों के बारे में सविस्तार व्याख्या करता है।

छठा एवं अन्तिम भाग सामाजिक मानवशास्त्र के बारे में इसके विभिन्न पहलुओं, प्रकृति, संरचना–विवाह व परिवार, धर्म, संस्कृति, जाति, जनजातियों व प्रथाओं को विभिन्न कानूनी पहलुओं के माध्यम से सविस्तार प्रकाश डालता है।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में हिन्दी माध्यम का यह कोष निःसन्देह एक महत्वपूर्ण ग्रन्थ साबित होगा, ऐसा लेखकदृश्य का विश्वास है।

समाजशास्त्र विश्वकोष

(Encyclopedia of Sociology)

समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

भाग I

डॉ. जी.एल. शर्मा
डॉ. वाई.के. शर्मा

यूनिवर्सिटी बुक हाउस (प्रा.) लि.
जयपुर

यूनिवर्सिटी बुक हाउस प्रा. लि.
79, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003
फोन : 2311466, 2313382 फैक्स : 4013697
E-mail : Uni_bookhouse@yahoo.com

ISBN 978-81-8198-210-

मूल्य : रु. 6000/- (6 भागों सहित)